मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण में सदैव आगे रहने के लिए विश्नोई समाज की सराहना की।

मुख्यमंत्री से मिला विश्नोई समाज का प्रतिनिधिमंडल

पर्यावरण संरक्षण के लिए विश्नोई समाज का त्याग कहीं और नहीं मिलता - भजनलाल

- **विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को प्रदेश में पौधारोपण के लिए जापानी मियावाकी वृक्षारोपण तकनीक अपनाने का सुझाव दिया।**
- **मुख्यमंत्री भजन लाल ने कहा कि राज्य सरकार प्रकृति के संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा दे रही है।**

जयपुर, 27 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पेड़ों की रक्षा के लिए मां अमृता देवी सहित 363 लोगों ने बलिदान दिया। विश्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए ऐसा त्याग कहीं और देखने को नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि खेजड़ी सिर्फ वृक्ष नहीं बल्कि औषधि भी है। कैर, सांगरी राजस्थान की पहचान है। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्नोई समाज ने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण में सदैव आगे रहते हुए अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी विकास के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण में विभिन्न अभियानों के माध्यम से जनभागीदारी को बढ़ावा दे रही है। शर्मा ने कहा कि हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति में वृक्ष, पहाड़ और नदियों की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित इस संवाद में विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में पौधारोपण के लिए जापानी मियावाकी वृक्षारोपण तकनीक अपनाने एवं विकास परियोजनाओं में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए विशेष प्रावधान करने के संबंध में सुझावपत्र दिए।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई, पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, स्वामी भागीरथ दास शास्त्री, आचार्य संत गोरधनराम, महंत स्वामी भगवानदास, कृपाचार्य महाराज, भागीरथदास महाराज, स्वामी सदानंद, स्वामी ओंकारानंद, स्वामी श्यामदास सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं विश्नोई समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

वैष्णो देवी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 41 पहुंची

अभी इन्द्रप्रस्थ भोजनालय के पास मलबे में और लोग दबे होने की आशंका

- **बचाव अभियान तेजी से चल रहा है। जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर व पठानकोट के आसपास के वायुसेना अड्डों पर हेलीकॉप्टर ''बिल्कुल तैयार'' स्थिति में रखे गये हैं।**
- **भूस्खलन कटरा से वैष्णो देवी मंदिर के 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग बीच में हुआ।**

जम्मू, 27 अगस्त। वैष्णो देवी में बाढ़ और भूस्खलन की घटना में मृतकों की संख्या बढ़ कर 41 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास उस स्थान पर बचाव अभियान अब भी जारी है जहां मंगलवार को भूस्खलन हुआ था। जानकारी के अनुसार, अर्धकुआरी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल जुटे हुए हैं तथा कई और लोगों के फंसे होने की आशंका है। ज्ञातव्य है कि भूस्खलन कटरा शहर से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग बीच में हुआ।

गौरतलब है कि वैष्णो देवी मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं। हिमकोटि मार्ग पर सुबह से ही यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन पुराने रास्ते पर अपराह्न 1.30 बजे तक यात्रा जारी रही, जब अधिकारियों ने बारिश के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाते हुए इसे स्थगित करने का फैसला किया। राहत और बचाव सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का एक सी-130 परिवहन विमान बुधवार को माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए जम्मू पहुंच गया। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का सामान लेकर सी130 परिवहन विमान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित हिंडन वायुसेना अड्डे से रवाना हो कर जम्मू पहुंचा। इसके अलावा, चिनूक और एमआई-17 वी5 जैसे हेलीकॉप्टर जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर और पठानकोट के आस-पास के वायुसेना अड्डों पर "बिल्कुल तैयार स्थिति में रखे गए हैं।" जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में बुधवार को चौथे दिन भी मूसलाधार बारिश जारी रहने के कारण बाढ़ ग्रस्त निचले इलाकों से हजारों लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

पटना में पांचवी की छात्रा ने स्कूल में खुद को आग लगाई

पटना, 27 अगस्त। बिहार की राजधानी पटना में जमकर बवाल हुआ है। एक दारोगा की पिटाई भी हुई है। दरअसल पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के अमला टोला स्थित कन्या मध्य विद्यालय में आज एक भयावह घटना घटी, जहां पांचवीं कक्षा की एक छात्रा ने स्कूल के बाथरूम में खुद को आग लगा ली। आनन-फानन में मौके पर गर्दनीबाग थाना की पुलिस पहुंची। इसके बाद लड़की को पीएमसीएच में भर्ती करा दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पटना सिटी एसपी सेंट्रल दीक्षा भी मौके पर पहुंचीं। साथ ही एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए गए। बाथरूम के पास लड़की के जले हुए कपड़े मिले हैं। घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है।

जस्टिस पंचोली के सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन पर कोलीजियम में असहमति

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सदस्य जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने जस्टिस पंचोली के सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन पर वरिष्ठता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के आधार पर आपत्ति जताई।**
- **जस्टिस पंचोली हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की वरिष्ठता सूची में 57 वें नम्बर पर हैं।**
- **जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली, जो पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रहे हैं, को सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के पद पर प्रमोट करने की सिफारिश की है।**

नई दिल्ली, 27 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट के कोलीजियम की पाँच सदस्यीय टीम में शामिल जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त बतौर जज करने की सिफ़ारिश पर असहमति जताई है। उनका कहना है कि पंचोली की कुल वरिष्ठता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के आधार पर वे इस नियुक्ति के योग्य नहीं हैं। वर्तमान में जस्टिस पंचोली देशभर के हाईकोर्ट जजों की वरिष्ठता सूची में 57वें स्थान पर हैं।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त करने की सिफ़ारिश की थी। लेकिन यह फ़ैसला सर्वसम्मति से नहीं हुआ।

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि उनकी आपत्ति पंचोली की कम वरिष्ठता को लेकर है। मुख्य न्यायाधीश भूषण आर. गवई की अध्यक्षता वाले इस कोलीजियम में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, जे. के. माहेश्वरी और बी. वी. नागरत्ना शामिल हैं।

भारत के व्यापारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन 50 प्रतिशत पर तो जीना असंभव है।

सबसे बड़ा झटका सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को लगेगा, जो भारत के निर्यात की रीढ़ हैं। ये कंपनियाँ बहुत कम मुनाफ़े पर चलती हैं, इसलिए वे अतिरिक्त लागत ग्राहकों पर नहीं डाल सकतीं। एफ आई ई ओ के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, कई निर्यात ऑर्डर पहले ही रोक दिए गए हैं। तिरुपुर और नोएडा जैसे केंद्रों में उत्पादन धीमा हो रहा है, मज़दूरों की नौकरियों पर संकट आ गया है और वैश्विक खरीदार रातों-रात दूसरे सप्लायरों की ओर जा रहे हैं।

लेकिन यहाँ एक बड़ा सबक भी है। यह शुल्क संकट याद दिलाता है कि भारत का निर्यात किसी एक क्षेत्र (जैसे अमेरिका) पर ज़्यादा निर्भर नहीं होना चाहिए। अमेरिकी बाज़ार लंबे समय से भारतीय सामान का सबसे बड़ा आकर्षण रहा है, लेकिन यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में विविधता लाना अब भी अधूरा है। जहाँ यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भारत की बातचीत अटकी हुई है, वहीं वियतनाम जैसे देशों ने पहले ही मुक्त व्यापार समझौते कर लिए हैं, जिससे उन्हें निर्णायक बढ़त मिल गई है।

तो भारत को क्या करना चाहिए पहले तो, सरकार को तुरंत कदम उठाने होंगे - निर्यातकों के लिए कर्ज़ में राहत, टैक्स में छूट और के लिए तात्कालिक पैकेज देना होगा।

दूसरे, जैसा सहाय ने कहा, भारत को 21 दिन की कूटनीतिक खिड़की का इस्तेमाल करना होगा ताकि अमेरिका से बात करके शुल्क पूरी तरह लागू होने से पहले कुछ हल निकले। तीसरे, भारत को तेज़ी से ऐसे व्यापार समझौते करने होंगे जो उसे अस्थिर अमेरिकी बाज़ार पर निर्भरता से बचाएँ। नई दिल्ली के लिए यह झटका केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक भू-राजनीतिक परीक्षा है। वॉशिंगटन ने साफ कर दिया है कि वह व्यापार को दबाव डालने का औज़ार बनाने से नहीं हिचकेगा। अब भारत को तय करना होगा: क्या वह सिर्फ़ अपने अमेरिकी निर्यात को बचाने के लिए रक्षात्मक रूप से भाग-दौड़ करेगा, या फिर इस संकट को एक अवसर में बदलकर मज़बूत, विविध और रणनीतिक निर्यात मॉडल बनाएगा? अगर समझदारी से संभाला जाए तो आज की मौत की घंटी वाली चेतावनी, कल का जागने का अलार्म बन सकती है।

मोदी ने वैष्णो देवी तीर्थ यात्रियों की मौत पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली, 27 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में श्री माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग के पास भूस्खलन में जान-माल की क्षति पर दुख व्यक्त किया है।

मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर शोक संदेश में लिखा, "श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन के कारण हुई जनहानि दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा, मैंने जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों से बात की है और बचाव एवं राहत अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

- **उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि बचाव व राहत कार्य युद्ध स्तर पर चलाये जा रहे हैं।**

गौरतलब है कि श्री वैष्णो देवी मार्ग के अर्धकुवारी खंड के पास भारी बारिश के कारण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 41 हो गई है। इससे क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया है। बचाव अभियान जारी है और प्रशासन प्रभावित क्षेत्र में तीर्थयात्रियों और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।

मनाली में उफनती ब्यास नदी ने कहर ढाया

लेह हाइवे का 200 मीटर भाग नदी में बह गया

- **इससे सड़कों पर 50 मीटर लम्बा जाम लगा है, पर्यटक फंस गए हैं।**
- **सोमवार शाम से राज्य में अचानक बाढ़ की 12 घटनाएं हुईं, दो बड़े लैंडस्लाइड हुए तथा बादल फटने की एक घटना रिपोर्ट हुई है।**
- **राज्य में अब तक अचानक बाढ़ के 90 केस, बादल फटने के 42 केस व भूस्खलन के 84 केस रिपोर्ट हुए हैं।**

नई दिल्ली, 27 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में भी पिछले कुछ दिनों से मानसून कहर बरपा रहा है। हालात अब भी कई इलाकों में ऐसे ही हैं और जगह-जगह लैंडस्लाइड भी हो रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार अभी खतरा अभी भी बरकरार है। आईएमडी ने आने वाले दिनों में बारिश जारी रहने का अनुमान जताया गया है। कुल्लू, मंडी, किन्नौर तक भारी बारिश जारी है। भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने से दुकानें बह गईं, इमारतें ढ ह गईं, राजमार्गों का संपर्क टूट गया और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मनाली के फोर लेन हाइवे के बह जाने की वजह से भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति है। एक समय पर्यटकों से भरा रहने वाले कूल्लू में इस वक्त तबाही का मंजर है। सड़कें बंद होने से गाड़ियों की 50 किमी लंबी कतार लगी है।

ब्यास नदी की तेज धाराओं में मंगलवार तड़के कुल्लू जिले के मनाली में एक बहुमंजिला होटल और चार दुकानें बह गईं। नदी के उफान पर होने से, पानी मनाली के अलू मैदान में घुस गया, जबकि चंडीगढ़ और मनाली को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गया। मनाली-लेह राजमार्ग का लगभग 200 मीटर हिस्सा भी ब्यास नदी के बह गया, जिससे मार्ग बंद हो गया और पर्यटक फंस गए। मनाली के राइट बैंक रोड पर भी स्थिति गंभीर है, जो कुल्लू शहर को जोड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग के दो बड़े हिस्से बह गए, जबकि मनाली से बुरुआ जाने वाला मार्ग भी पुराने मनाली के पास बह गया।

सोमवार शाम से राज्य में 12 बार अचानक बाढ़, दो बड़े भूस्खलन और एक बार बादल फटने की सूचना मिली है। अचानक बाढ़ आने से लाहौल और स्पीति जिले में नौ, कुल्लू में दो और कांगड़ा में एक घटना हुई। जबकि चंबा जिले में बादल फटने की सूचना मिली। इनमें से किसी भी घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, कांगड़ा जिले में एक व्यक्ति डूब गया, जबकि किन्नौर में ऊंचाई से गिरने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

राज्य में अब तक अचानक बाढ़ की 90 घटनाएं, बादल फटने की 42 घटनाएं हुई हैं और 84 बड़े भूस्खलन हुए हैं। एसईओसी के आंकड़ों के अनुसार, बारिश से जुड़ी घटनाओं में राज्य को 2,454 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश में 1 जून से 25 अगस्त तक 753 मिमी बारिश हुई, जबकि औसत बारिश 584.2 मिमी होती है, जो सामान्य से 29 प्रतिशत अधिक है। अगस्त में अब तक राज्य में सामान्य से 62 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

हैरिटेज व ग्रेटर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

असंवैधानिक और कानून के विपरीत है। दोनों निगम को समाप्त कर एक निगम के गठन के दौरान वार्ड की संख्या 250 से घटाकर 150 कर दी जाएगी। याचिका में कहा गया कि हाल ही में निगम सीमा के 80 गांवों की करीब 1.75 लाख की आबादी को नगर निगम शामिल किया गया है। दोनों निगमों के एकीकरण से बढ़ी हुई आबादी के बावजूद जनप्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। याचिका में कहा गया कि शहर की मौजूदा आबादी करीब 45 लाख से अधिक है। वहीं बढ़ते शहरीकरण और क्षेत्रफल के हिसाब से मौजूदा वार्डों से सौ वार्ड कम करना शहर के विकास के लिहाज से उचित नहीं है। इससे न केवल शहर का विकास प्रभावित होगा, बल्कि प्रशासनिक ढांचा भी बिगड़ेगा और आमजन की अफसरों तक पहुंच भी कम होगी। याचिका में कहा गया कि शहर के विकास और आमजन की सुविधा के लिए साल 2019 में तत्कालीन सरकार ने जयपुर नगर निगम को विभाजित करते हुए दो निगम बनाए थे। वहीं हाईकोर्ट ने भी इसे न्यायोचित ठहराया था। अब इसके पुन: विलय से यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी के लिए गठित विशेष संस्थानों जैसे हेरिटेज कमेटी, तकनीकी हेरिटेज समिति और हेरिटेज सेल का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। राज्य सरकार ने विलय का यह निर्णय आमजन की सलाह और कानूनी प्रावधानों का पालन किए बिना लिया है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि यह कदम पूरी तरह से राजनैतिक प्रेरणा और चुनावी लाभ के लिए उठाया गया है।

बाढ़ के कारण जम्मू की 58 ट्रेन रद्द और 18 के रुट बदले

नई दिल्ली, 27 अगस्त। देश के कई राज्यों में भारी बरसात का दौर जारी है। जम्मू में बाढ़ और भूस्खलन ने बेहाल कर रखा है। इसका असर रेल यातायात पर भी दिख रहा है खासतौर पर जम्मू डिविजन खासा प्रभावित नजर आ रहा है।

उत्तर रेलवे ने जम्मू कटरा रेलवे स्टेशनों पर आने-जाने वाली 22 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इससे पहले मंगलवार को 27 ट्रेनों को बीच में ही जहां का तहां रोक दिया गया था। अचानक ट्रेन कैंसिल होने से रेल यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे का कहना है कि, जम्मू में भारी बारिश के चलते 58 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। जबकि 18 ट्रेनों का रूट बदल दिया गया है।

मोदी ने फिनलैंड के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संघर्ष के समाधान पर वाशिंगटन में यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हुई बैठकों पर श्री मोदी के साथ अपना आकलन साझा किया।

प्रधानमंत्री ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया।

फिनलैंड राष्ट्रपति ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र समापन के लिए फ़िनलैंड के समर्थन को दोहराया। उन्होंने 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए भी समर्थन की पुष्टि की। मोदी ने स्टब को शीघ्र भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

'पेपर लीक से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह भी कहा था कि आगामी भर्ती में, इस भर्ती में शामिल अभ्यर्थियों को आयु सीमा देने पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

याचिका में आगे कहा गया कि इसके 19 दिन बाद ही आरपीएससी की ओर से एसआई भर्ती-2025 निकाली गई। इसके जरिए पुलिस उपनिरीक्षक के 1015 पद भरे जाने हैं। आरपीएससी की ओर से इस भर्ती में साल 2021 के अभ्यर्थियों के लिए अलग से आयु सीमा में छूट नहीं रखी गई। आयोग की ओर से हर भर्ती में दी जाने वाली अधिकतम तीन साल की छूट का ही प्रावधान रखा गया है। याचिकाकर्ता पेपर लीक होने के कारण साल 2021 की भर्ती में सफल नहीं हुए थे। ऐसे में उन्हें इस भर्ती में आयु सीमा में छूट दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने राज्य सरकार और आरपीएससी से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ताओं के आवेदन स्वीकार कर उन्हें चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है।

'क्या मोदी गत कुछ समय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समीकरणों की हो। मेरा विचार है कि इस रिपोर्ट को संदेह और सतकर्ता के साथ लेना चाहिए, क्योंकि ट्रंप-मोदी की दोस्ती अब टूट गई हो।"

एफएज़ैड ने दावा किया कि "ऐसे संकेत हैं कि मोदी अपमानित महसूस कर रहे थे और मोदी का ट्रंप से बात करने से इनकार इस बात को दर्शाता है कि वह कितने नाराज़ और सतर्क हैं, खासकर ऐसे समय में जब भारत को अमेरिकी व्यापार प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है (रूसी कच्चे तेल की खरीद के कारण), और ट्रंप बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध को रोका।"

एफएज़ैड की रिपोर्ट का अब तक आधिकारिक रूप से न तो वॉशिंगटन और न ही दिल्ली ने खंडन किया है, लेकिन कुछ सूत्र आधारित खबरों से ऐसा संकेत मिला है कि यह मामला मोदी की कार्यशैली से मेल नहीं खाता।

एफएज़ैड, जो कि 76 साल पुराना और बहुत सम्मानित अखबार है, उसकी विश्वसनीयता के बावजूद एक वरिष्ठ कूटनीतिक विश्लेषक ने कहा कि "यूरोपीय मीडिया - खासकर फ्रेंच या जर्मन - आमतौर पर ज्यादा सवाल नहीं करता।"

उक्त कूटनीतिक विश्लेषक ने कहा, "यह कहानी शायद जर्मन अखबार को 'प्लांट' की गई थी, भारतीय सरकार विदेशी मीडिया का इस्तेमाल अपने नजरिए को सामने लाने के लिए करने लगी है। जैसे कि ब्लूमबर्ग को दिए गए सीडीएस /चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के इंटरव्यू में पहली बार ऑपरेशन सिंदूर में भारत के नुक़सान की बात स्वीकारी गई - हालांकि सिका ब्यौरा नहीं दिया गया।

इस बीच एफएज़ैड की रिपोर्ट का उपयोग दोनों पक्षों के ट्रोल्स और प्रचारकों द्वारा पीएम की छवि को बेहतर दिखाने या फिर उनका मज़ाक उड़ाने के लिए किया जा रहा है, यह निर्भर करता है कि वे किस विचारधारा से जुड़े हैं।

चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकने के दावों और भारत पर लगाए गए व्यापारिक शुल्कों से मोदी सरकार की छवि पर नकारात्मक असर पड़ा है, जानकार सूत्रों का कहना है कि इस तरह की रिपोर्ट को जर्मन मीडिया में "प्लांट" करना ज्यादा विश्वसनीय लगता है। यही कारण है कि इसे किसी घरेलू मीडिया के माध्यम से जारी नहीं किया गया।

एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने कहा कि मीडिया का इस्तेमाल नेताओं की छवि बनाने या बिगाड़ने के लिए प्राचीन समय से होता आया है, और यदि मोदी सरकार की भारी-भरकम इमेज बिल्डिंग मशीनरी किसी विदेशी अखबार में ऐसी खबर "प्लांट" करती है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। आखिरकार, हाल के सप्ताहों में मोदी की "महान छवि" को काफी झटका लगा है।

सबसे चुटीली प्रतिक्रिया कॉमेडियन रमेश श्रीवत्स की एक्स पोस्ट थी, जिसमें उन्होंने तंज कसते हुए लिखा:

"जब भी ट्रंप कॉल करें, मोदी को ऑटो-रिप्लाई सेट कर देना चाहिए: नमस्ते, मैं नरेंद्र मोदी बोल रहा हूं। मैं इस समय आपकी कॉल नहीं ले सकता क्योंकि मैं शी जिनपिंग और पुतिन के साथ रोड ट्रिप पर हूं। कृपया बीप के बाद संदेश छोड़ दें"।

सीज़फायर के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप ने आगे कहा, "और यह बात उनके लिए बहुत मायने रखती थी। मैंने कहा, मुझे कल वापस कॉल करना, लेकिन अभी हम कोई समझौता नहीं करेंगे। अगर नहीं माने तो हम तुम पर इतने भारी टैरिफ (शुल्क) लगा देंगे..."

ट्रंप ने कहा कि उस बातचीत में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक भी मौजूद थे:

उन्होंने पूछा, "हॉवर्ड, तुम वहीं थे, है ना? मैंने कहा, हम तुम पर इतना भारी शुल्क लगाएंगे कि तुम्हारा सिर घूम जाएगा। लेकिन मैं तुम्हें युद्ध नहीं करने दूंगा।"

ट्रंप ने आगे कहा, "लगभग पांच घंटे में सब कुछ हो गया। सब निपट गया। हो सकता है यह फिर से शुरू हो जाए, मुझे नहीं पता। मुझे ऐसा नहीं लगता, लेकिन अगर होगा तो मैं फिर रोक दूंगा..."

ट्रंप यह दावा 10 मई से बार-बार कर रहे हैं, जब उन्होंने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच 'पूर्ण और तत्काल' संघर्ष विराम वॉशिंगटन की मध्यस्थता से हुआ, और यह एक "लंबी रात की बातचीत" के बाद तय हुआ।

उन्होंने 40 से ज्यादा बार ऐसा दावा किया है, और वे अक्सर इसे टैरिफ को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करने से जोड़ते हैं।

भारत ने हमेशा इस बात से इनकार किया है कि किसी बाहरी ताकत ने इस प्रक्रिया में कोई भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने संसद में कहा था: "किसी भी नेता ने हमसे सैन्य अभियान रोकने को नहीं कहा।"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह ने भी यही बात दोहराई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इससे पहले कहा था: "भारत ने अपनी रणनीतिक सोच के आधार पर कार्रवाई की। हमने दुनिया भर के नेताओं को आतंकवाद पर अपने 'शून्य सहिष्णुता' के रुख के बारे में बताया। हमें अपने बचाव का पूरा अधिकार है।"

क्या भारत किसी और के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्षेत्र में, उसे दबाव डालने के लिए आसान लक्ष्य बनाते हैं।

इस नज़रिये से देखा जाए तो, भारत पर लगे टैरिफ़ कोई अलग घटना नहीं, बल्कि बड़े भू-राजनीतिक शतरंज खेल का हिस्सा हैं। ट्रंप की "लेन-देन वाली" सोच हमेशा सिद्धांतों से ज़्यादा सौदे को प्राथमिकता देती रही है और टैरिफ़ उनके लिए दूसरों को बातचीत की मेज़ पर खींचकर लाने का ज़रिया है। पहले भी जापान, कैनडा, मैक्सिको और यहाँ तक कि यूरोपीय संघ पर ऐसे ही शुल्क लगाए गए थे, और बाद में उन सबको वॉशिंगटन के अनुकूल समझौते करने पड़े। भारत के साथ भी कुछ ऐसा ही दबाव डाला जा रहा है। घरेलू पहलू को भी नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ट्रंप के समर्थक, ख़ासकर "रस्ट बैल्ट स्टेट्स," अमेरिका का वह इलाका जहाँ कभी भारी उद्योग और फैक्टरियाँ थीं लेकिन अब वहाँ आर्थिक गिरावट है, क्योंकि, फैक्टरियाँ या तो बंद हो गईं या अन्यत्र चली गईं, अब भी टैरिफ़ और "व्यापार में सख़्त रुख" की भाषा को पसंद करते हैं। भारत से आने वाले सामान, जैसे वस्त्र, चमड़ा और ऑटो पार्ट्स, जो मज़दूर-प्रधान क्षेत्र हैं, उन पर शुल्क लगाकर ट्रंप यह दावा कर सकते हैं कि वे अमेरिकी नौकरियाँ बचा रहे हैं, भले ही यह अमेरिका की अर्थव्यवस्था की बड़ी संरचनात्मक समस्याओं से ध्यान भटकाने का एक प्रयास हो। चूंकि भारत अमेरिका का बहुत बड़ा दुश्मन नहीं है, इसलिए यह कदम राजनीतिक रूप से सस्ता लेकिन प्रतीकात्मक रूप से मज़बूत है। नई दिल्ली के लिए चुनौती यह है कि वह टैरिफ़ को सिर्फ़ आर्थिक चश्मे से न देखे। भले ही तत्काल चिंता, निर्यातकों को बचाने और नए बाज़ार खोजने की होगी, पर असली काम कूटनीति है। भारत को तय करना होगा कि वह कड़ा जवाब दे, डब्ल्यु.टी.ओ. या अपने खुद के प्रतिशुल्कों के ज़रिए, या फिर इसे वॉशिंगटन के साथ लंबी बातचीत की शुरुआत माने। किसी भी हाल में भारत को यह नहीं होने देना चाहिए कि वह सिर्फ़ एक मोहरा बनकर रह जाए, जिसकी स्वतंत्रता अमेरिका-चीन-रूस की खींचतान में गिरवी रख दी जाए। अंतत:, यह घटना एक सच्चाई दिखाती है: आज की दुनिया में बड़ी ताक़तें जब व्यापार को हथियार बना रही हैं, तो भारत जैसे मध्यम देशों के लिए सुरक्षित रहना मुश्किल है, चाहे वे साझेदार ही क्यों न हों। ट्रंप के टैरिफ़ यह याद दिलाते हैं कि वॉशिंगटन के लिए आर्थिक औज़ार हमेशा रणनीतिक मकसद पूरे करने का ज़रिया हैं। भारत की असली परीक्षा यह होगी कि वह इस दबाव को अवसर में बदल सके, अपनी ताक़त दिखाकर, गठबंधनों को मज़बूत बनाकर और किसी और के खेल में मोहरा बनने से इनकार करके।

अमेरिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके साथ बहुत बड़ा व्यापार घाटा है।

हालांकि, बेसेंट ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच बहुत कुछ दांव पर लगा है। वे अपने व्यापारिक रिश्तों को टूटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुझे लगता है कि अंत में हम एक साथ आएंगे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908